मन्नत वाला तारा

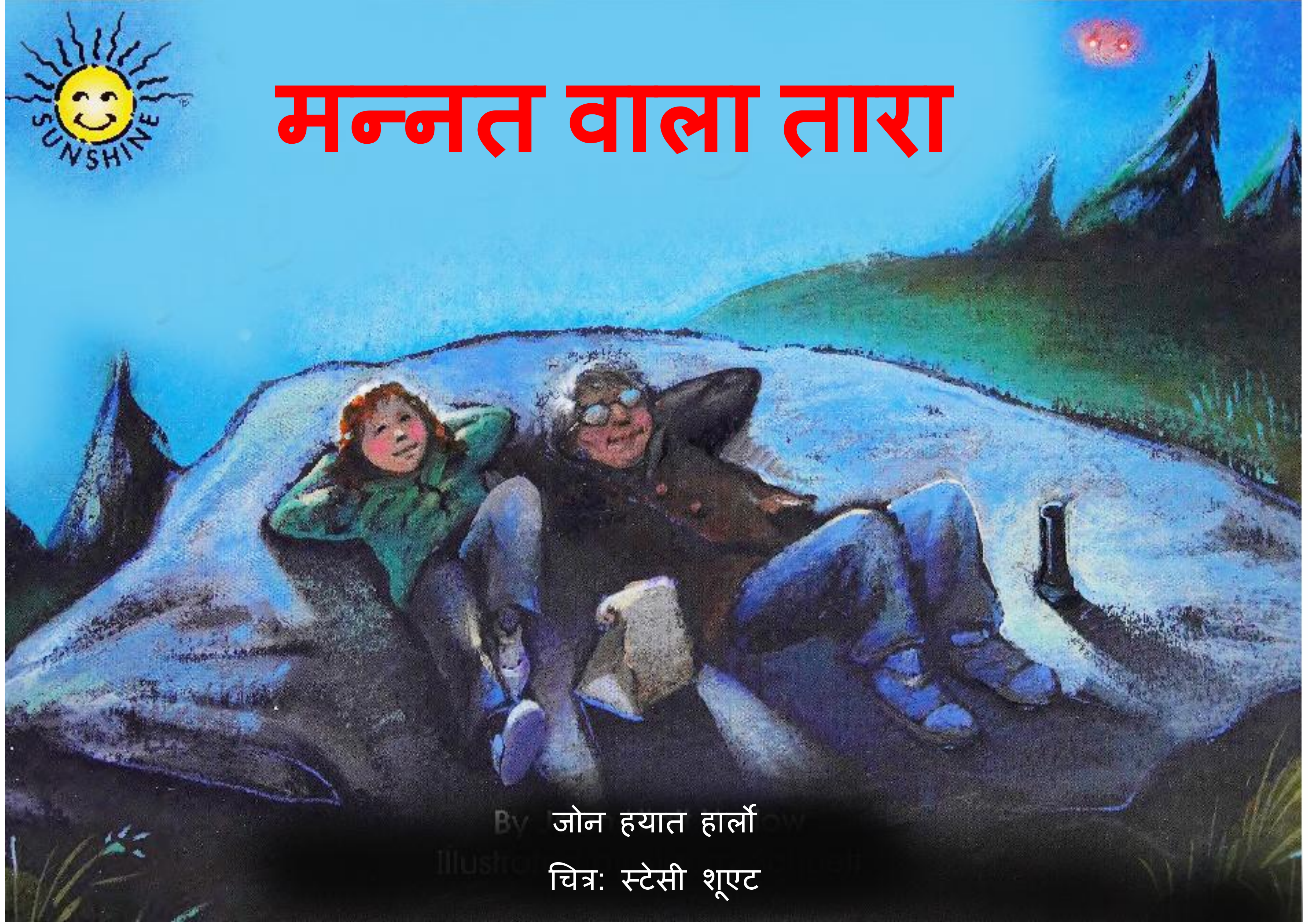

जोन हयात हार्लो

चित्र: स्टेसी शूएट

मन्नत वाला तारा

जोन हयात हार्लो

चित्र: स्टेसी शूएट

वो तारों से मन्नत मांगने वाली रात थी, और मैडिसन अपनी दादी नोनी के साथ रात बिता रही थी.

"हमारी तारों के आकार वाली कुकीज़ से कितनी अच्छी खुशबू आ रही हैं!" मैडिसन ने कहा जब नोनी ने कुकीज़ की ट्रे ओवन से निकाली.

"ये कुकी कितनी सुंदर हैं!" नोनी ने कहा. "तुमने इन कुकीज़ को तारों के आकार में काटकर बहुत अच्छा काम किया." नानी ने एक कुकी मैडिसन को दी.

"हम्म," मैडिसन ने कहा. कुकी कुरकुरी और मीठी थी. "क्या मैं एक और खा सकती हूँ?"

"बाद में. बाकी कुकीज़ बिग-हिल पर तारों के आसमान वाली पिकनिक के लिए हैं."

"स्टार पिकनिक? कब?"

कुकीज़ को बैग में रखते हुए नोनी मुस्कुराई. "अभी. आज रात मन्नत मांगने वाली रात है. हम इसे मिस नहीं करेंगे."

अभी? मैडिसन ने पर्दा हटाया और खिड़की से बाहर देखा. बाहर अँधेरा था! इतनी देर रात बिग-हिल पर पिकनिक? उसने ऐसी बात पहले कभी नहीं सुनी थी!

नोनी ने अपनी जैकेट पहनी. "जब भी कोई तारा आसमान में टूटता है, तो बच्चे उससे अपनी कोई इच्छा मांग सकते हैं. आज रात, टूटते तारों की बौछार होगी, इसलिए आसमान इच्छाओं से भरा होगा. हम उस नज़ारे को बिग-हिल से सबसे अच्छी तरह से देख पाएँगे."

"मैंने कभी भी टूटता तारा नहीं देखा है," मैडिसन ने कहा.

नोनी ने उसे गले लगाया. "इसलिए आज की रात और भी खास होगी."

नोनी ने मैडिसन को कुकीज़ का बैग दिया. "तुम इन्हें लेकर चलो," नोनी ने कहा.

वे सड़क से नीचे एक नाले की ओर चले. जब वे छोटे से पुल को पार कर रहे थे, तो पानी कलकल करके बह रहा था.

फिर वे बिग-हिल पर चढ़ने लगे. जंगल काला स्याह था. एक उल्लू ने हूट की, और ऊपर चमगादड़ फड़फड़ाए. मैडिसन ने नोनी का हाथ पकड़ा और उनके बिल्कुल पास चली. "मुझे अंधेरे से डर नहीं लगता," उसने फुसफुसाते हुए कहा.

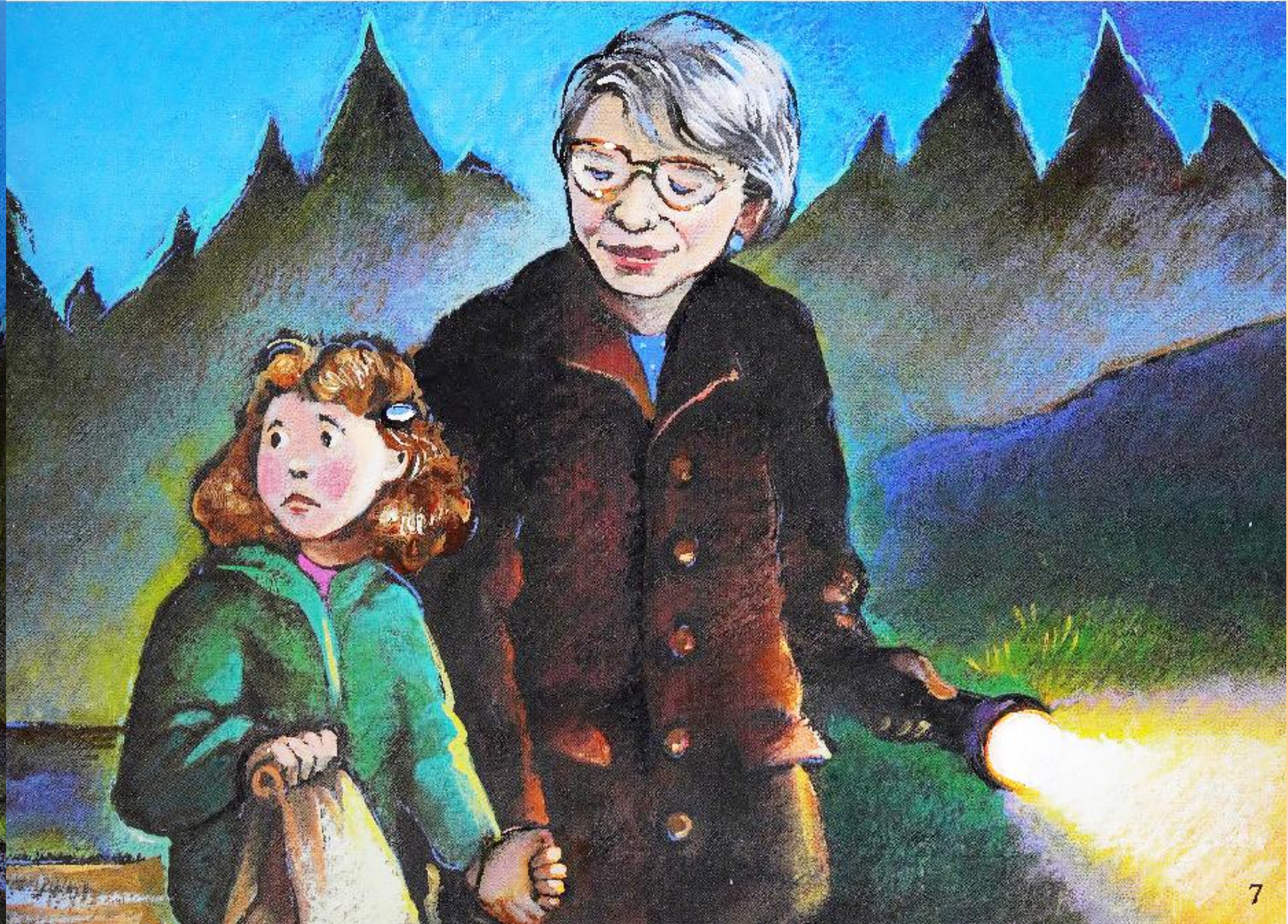

जल्द ही वे जंगल से निकलकर बिग-हिल पर एक खुली जगह पर पहुंचे. मैडिसन ने अपने चारों ओर के आसमान को देखा.

"चलो उस चट्टान पर बैठते हैं," नोनी ने कहा.

मैडिसन उस विशाल चट्टान पर चढ़ गई. "यह चट्टान एक नाव जैसी लग रही है. हम कल्पना कर सकते हैं कि हम आकाश में तैर रहे हैं." उसने पीछे लेटकर ऊपर देखते हुए कहा. चमकते तारे अंधेरे से झाँक रहे थे जैसे उसे आँख मार रहे हों.

"अब हमें मन्नत मांगने वाले तारों का इंतज़ार करेंगे," नोनी ने कहा.

तेज़ हवा, बिग-हिल के चारों ओर सीटी बजा रही थी.

मैडिसन ने सोचा, "मैं इस जहाज़ की कप्तान हूँ. मैं आकाश में तैरूँगी और एक टूटता हुआ तारा ढूँढूँगी."

ऊपर लाल बत्तियाँ चमक उठीं. "वह क्या है?" मैडिसन ने पूछा.

"वो बस एक हवाई जहाज़ है," नोनी ने कहा.

मैडिसन उस कठोर चट्टान पर चलने लगी. "क्या मुझे एक और कुकी खाने को मिल सकती है?"

"जब तुम्हें टूटता हुआ तारा दिखाई दे, तब तुम एक कुकी ज़रूर खा सकती हो," नोनी ने कहा.

मैडिसन ने तारों की ओर देखा और इंतज़ार करने लगी. "नोनी, अगर मैं कोई इच्छा करूँ, तो क्या वह पूरी होगी?"

"अगर वह टूटता तारा धरती पर गिरेगा, तो तुम्हारी इच्छा ज़रूर पूरी होगी," नोनी ने जवाब दिया.

"मुझे वो कैसे पता चलेगा?"

नोनी हँसी. "जब तुम्हारी इच्छा पूरी होगी तब."

फ़्लैश! एक तारा आसमान में चाँदी का निशान छोड़ते हुए चमक उठा.

"हुर्रे!" मैडिसन चिल्लाई. "मैंने एक टूटता हुआ तारा देखा! वो मन्नत मांगे वाला तारा है!" उसने आँखें बंद कीं और एक इच्छा की.

"हुर्रे! अब तुम्हें एक टूटता तारा मिल गया," नोनी ने उसे एक कुकी दी.

कुकी खाते हुए, मैडिसन ने आसमान की ओर देखा. वह एक जगमगाते समुद्र जैसा था. मैडिसन ने ऐसा दिखावा किया जैसे उसका जहाज रात में, बहुत दूर के नक्षत्रों की ओर तैर रहा हो.

वाह! "एक और मिला!" मैडिसन ने इशारा करते हुए कहा, "नोनी, ये टूटते हुए तारे यानी उल्कापिंड कहाँ से आते हैं?"

"उल्कापिंड वास्तव में तारे नहीं होते. वे उल्कापिंड होते हैं—पत्थर और धूल के टुकड़े जो अंतरिक्ष में यात्रा के दौरान हमारे रास्ते में आते हैं," नोनी ने कहा.

"पर वे साधारण पुराने पत्थरों जैसे नहीं लगते," मैडिसन ने कहा, "वो पटाखों जैसे चमकते हैं."

"ऐसा इसलिए है क्योंकि ये धरती की ओर गिरते समय जल उठते हैं. जो चमक हम देख रहे हैं, वे जलते हुए पत्थर हैं जो हवा में बह रहे हैं."

मैडिसन अपने काल्पनिक जहाज को आकाश में पथरीली जगहों से होते हुए ले जा रही थी. तभी एक और उल्कापिंड चमका. "मैंने उससे एक ख़ास चीज़ मांगी है."

"ये रहा एक तारा जिसे तुम खा सकती हो," नोनी ने उसे एक और कुकी देते हुए कहा. नोनी ने भी एक कुकी खाई.

"ये तारे बहुत स्वादिष्ट हैं," मैडिसन ने कहा.

नोनी ने अपनी जेब में हाथ डाला. "मुझे अपना हाथ दो."

मैडिसन ने अपना हाथ बढ़ाया, और नोनी ने उसकी हथेली पर कुछ ठंडा रखा. नोनी ने टॉर्च जलाई ताकि मैडिसन देख सके. "यह एक उल्कापिंड है—एक टूटता तारा जो धरती पर गिरा था," उसने कहा. "लेकिन इसे खाने की कोशिश मत करना!"

मैडिसन के हाथ में एक छोटा सा काला पत्थर था. वो चिकना लग रहा था, लेकिन उसमें छेद और निशान थे. उसने पत्थर को बार-बार पलट कर देखा. "यह कहाँ से आया?"

"मुझे यह तब मिला था जब मैं छोटी बच्ची थी," नोनी ने कहा. "इस तरह के लोहे को "आयरन" कहते हैं. मैं चाहती हूँ कि तुम इसे अपने पास रखो ताकि तुम बिग-हिल पर बिताई इस रात को हमेशा याद रख सको."

"शुक्रिया, नोनी." मैडिसन ने पत्थर को अपनी जेब की गहराई में रखा. "अब मेरे पास मन्नत मांगने वाले तारे का अपना एक टुकड़ा है."

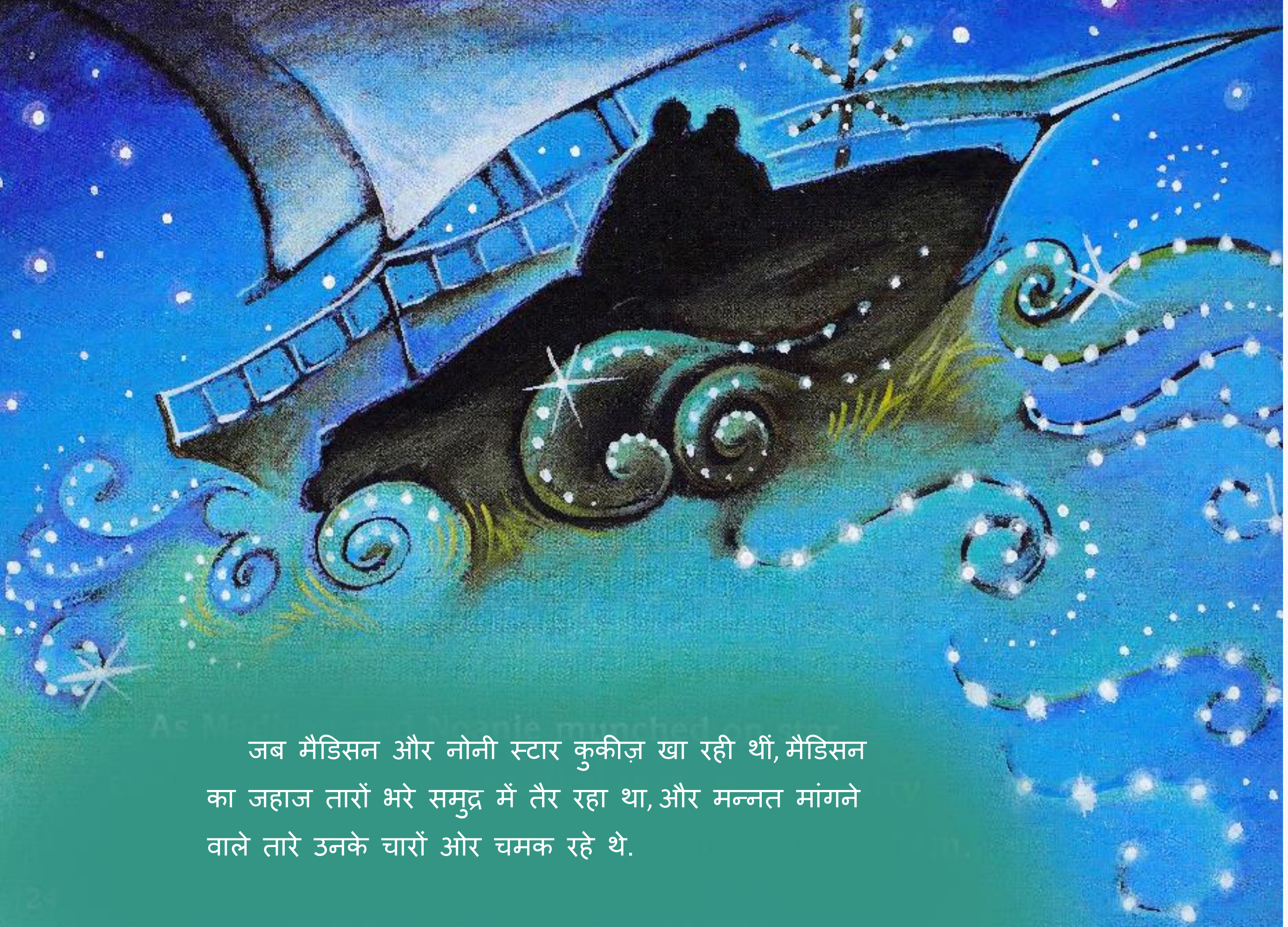

जब मैडिसन और नोनी स्टार कुकीज़ खा रही थीं, मैडिसन का जहाज तारों भरे समुद्र में तैर रहा था, और मन्नत मांगने वाले तारे उनके चारों ओर चमक रहे थे.

समाप्त